प्रकृति को भी प्यार करें : ब्र.कु. मनिषाबहन (कोल्हापुर)

- राजकोट - 28, जुलार्र -2010 : आध्यात्मिक ज्ञान और राजयोग के प्रयोग से उत्पादित पैदाईशमें पोषक तत्वो कि मात्रा भरपूर मात्रा में पाई गई। हमारा प्रकृति के साथ जो सबंध है उसे समझकर उससे भी प्रेम करना चाहिए। सुख, शांति, प्रेम और पवित्रता के शुद्ध किरणो द्वारा बीज का संक्रण करना आवश्यक है। यह बात राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. मनिषाबहन ने 'शाश्वत यौगिक खेती अभियान' विषय पर आयोजित ट्रेनिग कार्यक्रम में रखी।

- दूध सागर डेरी - महेसाणा के पूर्व मेनेजर ब्र.कु. नारायणभाई ने शाश्वत यौगिक खेती की आवश्यक्ता के पर प्रेझंटेशन के द्वारा बताया कि सात्विक अन्न के द्वारा फिर से इस धरा पर मानवी के स्वास्थ्य और नैतिक मूल्यो को बचाने के लिये जनजागृति लाने की आवश्यकता है। रासायणिक खाद और किटनाशकों के अमर्यादित उपयोग से आज वातावरण में प्रदुषण बढता जा रहा है । जो कि मनुष्य जीवन को खतरा है। साथ में जैविक खातर बनाने की अनेक विधि बताई।

- कृषि विज्ञान केंद्र के डो.बी.बी.काबरीया ने अपने उद्‌बोधन में इस प्रोजेक्ट की सराह्ना करते बताया की सचमुच ये सकारात्मक विचार से ही हम अपने जीवन में सहिरुप से सफल हो सकते है। आज के इस तनावपूर्ण वातावरण में राजयोग के अभ्यास से हम सात्विक विचारो से धरती को पावन बनाना ये अति आवश्यक है।

- इस ट्रेनिंग कार्यक्रम में राजयोगीनी ब्र.कु. भारतीदीदी (राजकोट सबझोन संचालिका), अतिथी विशेष डो. वल्लभभाई कथीरिया (पूर्व एम.पी.), डो.बी.बी.काबरीया, भ्राता गजेरा साहेब (जिल्ला खेतीवाडी अधिकारी), डो. जे.पी.खूंटी, भ्राता ब्र.कु. देसाई साहेब (डेप्युटी कलेक्टर) के वरद् हस्तो से दिप प्रज्ज्वल के साथ इस ट्रेनिंग का शुभारंभ हुआ।

- ब्र.कु. संध्याबहन ने बताया की हमारी भावना हरेक को सुख देनेवाली हो, सहयोग देने की हो तो उससे दुआएं मिलेगी।

- सुबह 10 से 1 बजे तक और शाम 3:30 से 7 बजे तक आयोजीत इस ट्रेनिंग में राजकोट तथा आसपास के गांव से पधारे करिब 200 किशान भाई -बहन ने लाभ लेकर यौगिक खेती के महत्वता को गहेराई से समझा और सभी ने साथ मिलकर प्रकृति के प्रति शांति और पवित्रता के वायब्रेशन फैलायें। ... हर व्यक्तिने कम से कम 2 वृक्ष लगाकर सह्भागी बनने का संकल्प लिया ।

- कार्यक्रम की शरुआत परम कृषक प्रभुपिता की याद से हुई... भारतीय संस्कृति की परंपरा के अनुसार फुलो से और कु.देविका ने नृत्य के साथ स्वागत किया।

- लास्ट में सभी किशान भाई -बहन को ब्र.कु. मनिषाबहन के वरद् हस्तो से प्रसाद + पुस्तिका दीया गया। ब्र.कु. चेतनाबहन ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम का सफल संचालन ब्र.कु. अंजुबहन ने किया।